| | 2 |
|---|---|
| 2. जवाहर रोजगार योजना | केरल, मिजोरम, तमिलनाडु, त्रिपुरा, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह तथा दादर नगर हवेली को छोड़कर सभी राज्य/संघ शासित क्षेत्र |
| 3. त्वरित ग्रामीण जल सप्लाई कार्यक्रम | आन्ध्र प्रदेश, बिहार, केरल, उत्तर प्रदेश, दादर व नागर हवेली |

(ग) समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना तथा त्वरित ग्रामीण जल सप्लाई कार्यक्रम के अन्तर्गत 1992-93 से 1994-95 तक आवंटित निधियों का 50 प्रतिशत से कम उपयोग करने वाले राज्यों को दर्शाने वाला विवरण नीचे दिया गया है:—

| | 1992-93 | 1993-94 | 1994-95 |
|---|---|---|---|
| समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम | — | पं बंगाल | नागालैंड, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह दमन व द्वीव |
| त्वरित ग्रामीण जल सप्लाई कार्यक्रम | नागालैंड दिल्ली | नागालैंड, दादर व नगर हवेली | नागालैंड, दादर व नगर हवेली |
| जवाहर रोजगार योजना | मणिपुर मेघालय, दमन व द्वीव तथा पांडिचेरी | जम्मू व कश्मीर मणिपुर, मेघालय दमन व द्वीव और पांडिचेरी | मणिपुर, मेघालय, पंजाब, दमन व द्वीव तथा पांडिचेरी |

(घ) और (ङ) मंत्रालय द्वारा आबंटित निधियों के उपयोग न होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगार लोगों की संख्या में बढ़ोत्तरी का मूल्यांकन करने के लिए कोई विशेष अध्ययन नहीं किया गया है। किन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगार लोगों की संख्या में कमी/वृद्धि कई बातों पर निर्भर करती है जैसे (1) ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों को पलायन, (2) मजदूरी रोजगार हेतु मांग, (3) कृषि तथा गैर कृषि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर आदि। इसलिए आबंटित हुए संसाधनों के उपयोग न होने के कारण बेरोजगार लोगों की संख्या के बारे में अलग से कोई मूल्यांकन नहीं किया गया है।

**रसायनों और उर्वरकों का आयात**

507. **श्री जनेश्वर मिश्र:**

**क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान कितने रुपए मूल्य के उर्वरक व रसायन का आयात किया है;

(ख) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान आयातित उर्वरकों एवं रसायनों की मात्रा कितनी है;

(ग) उर्वरकों एवं रसायनों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने क्या उपाय किए हैं; और

(घ) इस संबंध में तथ्य और ब्यौरा क्या है?

**रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री राम लखन सिंह यादव):** (क) और (ख) जहां तक उर्वरकों का संबंध है, देश में यूरिया, डी ए पी और एम ओ पी तीन प्रमुख आयातित उर्वरक हैं। इनमें से केवल यूरिया ही सरकार के मूल्य और संचलन नियंत्रण के अंतर्गत आता है तथा इसका आयात सरणीबद्ध है। गत तीन वर्षों के दौरान तथा चालू वर्ष में यूरिया का आयात निम्न प्रकार है:

| वर्ष | मात्रा (लाख टन में) | लागत एवं भाड़ा मूल्य (रु० करोड़ में) |
|---|---|---|
| 1992-93 | 18.57 | 764.17 |
| 1993-94 | 27.83 | 1030.43 |
| 1994-95 | 28.70 | 1603.62 |
| 1995-96 | 32.63 | 2435.61 |

(अप्रैल, 95 जनवरी, 96)

गत तीन वर्षों के दौरान सरकारी खाते में रसायन और पेट्रो रसायन विभाग द्वारा किसी रसायन का आयात नहीं किया गया है।

(ग) और (घ) सरकार ने यूरिया तथा डी ए पी का मासिक उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया है तथा उत्पादन क्षमता के उपयोग को इष्टतम बनाने की दृष्टि से उनकी निगरानी की जा रही है। यूरिया की मांग तथा स्वदेशी उत्पादन के बीच के अन्तर को आयातों के माध्यम से पूरा किया जाता है। सरकार राज्यों में यूरिया की आपूर्ति की नियमित आधार पर निगरानी करती है तथा अनियंत्रित उर्वरकों अर्थात् डी ए पी ओ एम ओ पी की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाता है।

रसायन की आपूर्ति और उपलब्धता मांग को पूरा करने में पर्याप्त होगी।

**Rehabilitation Centres for Drug Addicts in Punjab**

508. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government propose(s) to set up rehabilitation centres for drug eddicts in the country, particularly in the State of Punjab;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): (a) to (c) Ministry of Welfare extended assistance for 140 De-addiction-cum-Rehabilitation Centres and 236 Counselling Centres during 1994-95. These include 6 De-addicting-cum-Rehabilitation Centres and 7 Counselling Centres in Punjab. The proposal for assisting new NGOs to set up new units will depend upon number of factors such as extent of drug abuse problem and availability of service rehabilitation and counselling Centres in the area; the experience and eligibility of the NGOs and forwarding recommendation of the State Government.

**Hazards created by chemical fertilisers**

509. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some chemical fertilisers have been creating health hazard and environmental problem including pollution of air and water;

(b) if so, whether any such chemical fertilizers are produced by any fertilizer plant;

(c) if so, the details of such fertilizers plants;

(d) whehter Government proposes to close those chemical fertilizer plants; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF CHEMICAL AND FERTILIZERS (SHRI RAM LAKHAN SINGH YADAV): (a) to (e) Monitoring of pollution control measures in fertilizer plants and any consequental action arising therefrom are the responsibility of the State Pollution Contro Boards. Under the various environmental, air and water pollution Acts, Ministry of Environment and Forests have stipulated standard norms for discharge of liquid and gaseous affluents. Almost all fertiliser plants, have built in provision in their design for treatment of liquid and gaseous effluents and are fulfilling the stipulated requirement for their discharge to the